



पीछे

सक्षित समाचार

स्पोर्ट्स रिकार्ड

विश्व रिकार्ड के साथ बोल्ट की हैट्रिक

विस्तृत ...

फैक्ट फाइल

शाही की उम्र से पहले कौमर्ष खो देती हैं अधिकतर महिलाएं

विस्तृत ...

खोजें

यूनी कोप में टाइप करें

कैसे टाइप करें

खोजें

कनॉट प्लेस में अब दिनदहाड़े लूट

घर लौटे पदकवीर

दिल्ली में भूकम्प के झटके

75 सोसाइटियों के सदस्यों को जल्द मिलेंगे मकान

याचिकाओंके फैसले से तय होगा अधिसूचनाओं का भविष्य

बांस को खुश नहींकिया तो करियॉबिगाड़ दिया

तीन प्रत्याशियों की दावेदारी रद्द

205 प्रत्याशियों की सूची जारी

अध्यक्ष पद की दावेदार कहीं सोनियातों नहीं

बढी से भिड़त में मारे गए सजीव की हुई घोर उपेक्षा

दो करोड़ रुपए की लूट में छह गिरफ्तार

16 तक बढ़ रहेगी पार्सल की बुकिंग

छात्र से ज्यादती फीस वसूलने के मामले में हाईकोर्ट का नोटिस

पीटीसी बेड़े में शामिल होंगी और 3000 बसें

तीमाइरा ने डॉक्टर को पीटा

पीछे

आगे

## राष्ट्रीय महिला आयोग के आकड़े फर्जी

सहारा न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली, 25 अगस्त। कुछ खास लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए सरकारी सभ्यताएँ किस तरह से गलत आकड़ों का सहारा लेती हैं इसका खुलासा आरटीआई के तहत मिली जानकारी में हुआ है। गलत आकड़ों को मीटिंग में जारी करने के लिए देश की दो बड़ी गैर सरकारी सभ्यताओं ने महिला एवढाल विकास राज्यमन्त्री (स्वतंत्र प्रभार) रेणुक चौधरी और राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष गिरिजा व्यास को जिम्मेदार ठहराते हुए पद छोड़ने की माँग की है।

महिला समझौता दिवस पर आयोजित एक सभाद्वारा सम्मेलन में गैर सरकारी सभ्यता 'मास्त्री' और 'जीएचआरएस' ने राष्ट्रीय महिला आयोग पर लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए कहा कि गिरिजा व्यास का यह कहना कि 70 फीसद महिलाओंको गुजराने भत इसलिए नहीं मिल पाता है क्योंकि उनके ऊपर पुरुषों द्वारा चरित्रहीन होने के आरोप लगाए जाते हैं जबकि यह बिल्कुल गलत है। जीएचआरएस के प्रमुख सदीप ने कहा कि आयोग के यह आकड़े पूरी तरह से फर्जी थे और इसकी पुष्टि के लिए गैर सरकारी सभ्यता मास्त्री की ओर से प्रीति ने एक आरटीआई दखिल कर सचार्ड के बारे में जानकारी चाही।

आरटीआई के तहत जो जानकारी आयोग ने हमें दी उसके अनुसार उसके पास इस तरह का कोई आकड़ा मौजूद ही नहीं और न ही उसने कभी इस तरह का कोई सर्वे ही करवाया है। सदीप ने कहा कि अगर आयोग के पास आकड़ा नहीं है तो फिर वह इस तरह के फर्जी आकड़ों को मीटिंग में जारी कर क्या संबित करन चाहती है। मास्त्री से जुड़ी प्रीति ने कहा कि किस तरह से गिरिजा व्यास और रेणुक चौधरी समझ को गुमराह करने का काम कर रही हैं और यह (आरटीआई के तहत मिली जानकारी) नजारा भर है। महिलाओंके अधिकारों के लिए काम करने वाले नीरज ने कहा कि आयोग महिलाओं और पुरुषों के बीच दूरी कम करने के बजाए बढ़ाने का काम कर रही है।

Last Updated [ 8/26/2008 1:58:03 AM]

पीछे

पिछला अंक

कैटेगरी चुनें

आधी दुमिा

जागील नरें